



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 308] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 30, 1974/अग्राहायण 9, 1896
No. 308] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 30, 1974/AGRAHAYANA 9, 1896

इस भाग में अलग पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखे जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 30th November 1974

G.S.R. 672(E).—In pursuance of rule 96-J of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that any person, who has been granted on or before the date of publication of this notification in the Official Gazette a licence by the proper officer in pursuance of rule 174 or other relevant provisions of the said rules to manufacture for the first time unprocessed cotton fabrics on powerlooms, shall be required to pay, with effect on and from the 1st day of December, 1974, at the rate of Rs. 75.00 per quarter, or Rs. 300.00 per year, per powerloom installed by him or on his behalf, in one or more premises, for the manufacture of such fabrics, until such person has obtained the written permission of the Textile Commissioner in that behalf:

Provided that where roller locker machines are installed either exclusively or in addition to any other type of powerloom, every metre of the width of such machine shall be reckoned as one powerloom and where the total width is in excess of whole metres, any fraction less than half a metre shall be ignored and any fraction of half a metre or more shall be increased to one whole metre.

Explanation.—For the purpose of computing the periods—

- (a) the period from the 1st day of December, 1974 to 28th day of February, 1975 (both days inclusive) shall be deemed to be the first quarter;
- (b) the period from the 1st day of December, 1974 to the 30th day of November, 1975 (both days inclusive) shall be deemed to be the first year and any part of a quarter shall be deemed to be a full quarter.

2. Unless the Central Government by a general or special order otherwise directs, nothing in this notification shall apply to—

- (a) a manufacturer of unprocessed cotton fabrics who has more than 49 powerlooms in all installed by him or on his behalf in one or more premises; and
- (b) a manufacturer who at any time on or after the 28th day of February, 1965, the date of publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 41/65-Central Excises, of the said date in the Official Gazette, has paid or has been required to pay the duty of excise on unprocessed cotton fabrics manufactured by him either before or after that date at rates other than those prescribed under rule 96-J of the said rules.

[No. 154/74]

N. OBHRAI, Under Secy.

बिल मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचना

केन्द्रीय उत्पादशुल्क

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1974

सांकांनि० 672(अ).— केन्द्रीय उत्पादशुल्क नियम, 1944 के नियम 96अ के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार निदेश करती है कि ऐसे किसी भी व्यक्ति से जिसे, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को या उससे पूर्व, किसी समुचित अधिकारी द्वारा उक्त नियमों के नियम 174 या अन्य सुसंगत उपबन्धों के अनुसरण में प्रथम बार पावरलूमों से अप्रसंस्कृत सूती कपड़ा तैयार करने की अनुमति मंजूर की गई हो, उससे दिसम्बर, 1974 के प्रथम दिन को और उससे, उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक भवनों में ऐसा कपड़ा तैयार करने के लिए लगाए गए प्रत्येक पावरलूम पर पिछहतर रुपए प्रति तिमाही या तीन सौ रुपए प्रति वर्ष की दर से संदाय करने की अपेक्षा की जाएगी सिवाय तब के जब ऐसे व्यक्ति ने टैक्सटॉईल आयुक्त से इस निमित्त लिखित अनुज्ञा प्राप्त कर ली हो :

परन्तु जहां अत्यधिक तीव्र पर अथवा अन्य प्रकार के पावरलूम के अतिरिक्त रोलर लाकर मशीनें लगाई जाएं वहां ऐसी मशीन की चौड़ाई के प्रत्येक मीटर की गणना एक पावरलूम के रूप में की जाएगी और जहां कुल चौड़ाई पूर्ण मीटरों से अधिक है वहां आधा मीटर से कम के अंश की गणना में नहीं लिया जाएगा और आधा मीटर या अधिक अंश की गणना पूर्ण मीटर के रूप में की जाएगी ।

स्पष्टीकरण :—अवधियों की गणना के प्रयोजन के लिए—

- (क) 1974 के दिसम्बर के पहले दिन से 1975 की फरवरी के अट्ठाइसवें दिन तक की अवधि (दोनों दिनों को सम्मिलित करते हुए) एक तिमाही समझी जाएगी ।
- (ख) 1974 के दिसम्बर के प्रथम दिन से 1975 के नवम्बर के तीसवें दिन तक की अवधि (दोनों दिनों को सम्मिलित करते हुए) प्रथम वर्ष समझा जाएगा और तिमाही का कोई भाग पूरी तिमाही समझा जाएगा ।

2. जब तक कि केन्द्रीय सरकार साधारण या विशेष आदेश द्वारा अन्यथा निदेश नहीं करती इस अधिसूचना की कोई बात निम्नलिखित को लागू नहीं होगी, अर्थात्—

- (क) अप्रसंस्कृत सूती कपड़े का ऐसा विनिर्माता जिसके पास उसके द्वारा या उसकी ओर से एक या अधिक भवनों में लगाए गए 49 से अधिक पावरलूम हों ; और

- (ख) वह विनिर्माता जिसने 1965 की फरवरी के अट्टाईसवें दिन, अर्थात् भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की उसी तारीख की अधिसूचना संख्या 41/65 --केन्द्रीय उत्पादशुल्क के प्रकाशन की तारीख को या उसके पश्चात् उसके द्वारा उस तारीख के पूर्व या उसके पश्चात् तैयार किए गए अप्रसंस्कृत सूती कपड़े पर, उक्त नियमों के नियम 96 के अधीन विहित से भिन्न दरों पर, उत्पादशुल्क संदत्त कर दिया है या उससे संदत्त करने की अपेक्षा की गई है।

[सं० 154/74]

एन० ओबराय, अवर सचिव।

